

༡༡། རོལ་རྒྱལ་དམ་བཤུགས་མངའ་པའི་སྒོར་ཕྱག་དཔེ་
རོམ་ཁག་གི་དཔར་བཤུས།

۱۱

一、關於本會之宗旨：本會以研究我國經濟史，整理我國經濟史料，及介紹外國經濟史為宗旨。

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

9997

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ अहं हि परमो भक्तः किमिह कुरुते ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ अहं हि परमो भक्तः किमिह कुरुते ॥ १ ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

204

॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥

ה

[A large rectangular box containing handwritten text in Devanagari script, likely a chapter heading or a significant passage.]

[illegible]

[illegible]

၁၇

| | | | | | | |
|--|--|---|---|--|--|--|
| | | <p>၁၇ မင်းသားနှင့်မင်းသမီးတို့
အားလုံးပါဝင်၍အားလုံးတို့</p> |  | <p>မင်းသားနှင့်မင်းသမီးတို့
အားလုံးပါဝင်၍အားလုံးတို့</p> | | |
|--|--|---|---|--|--|--|

4

[illegible]

[illegible]

कथमाकथनेप्राप्तताकोनैपायोपमानोक्तो॥ उपपन्नमहोक्तिरिति॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

01

2010

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

३

५
५

७। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

५७॥
५७॥
५७॥

५७॥

५७॥

५७॥

५७॥

५३

ॐ । द्रुमकेवो मीनकुलमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु ।

| ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

4-28

١٢٤

11

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



23

| | | |
|----|--|---|
| | <p>२॥ अथ ध्यानादिप्रमाणानि कथं ब्रह्मवैवर्तपुराणे ब्रह्मविद्यायां श्रीधर्मस्मृत्या च प्रसिद्धा विष्णुसंहितायां च ब्रह्मविद्यायां</p> | ॥ |
| ३॥ | <p>। अथ ध्यानादिप्रमाणानि कथं ब्रह्मवैवर्तपुराणे ब्रह्मविद्यायां श्रीधर्मस्मृत्या च प्रसिद्धा विष्णुसंहितायां च ब्रह्मविद्यायां</p> | ॥ |
| ३॥ | <p>। अथ ध्यानादिप्रमाणानि कथं ब्रह्मवैवर्तपुराणे ब्रह्मविद्यायां श्रीधर्मस्मृत्या च प्रसिद्धा विष्णुसंहितायां च ब्रह्मविद्यायां</p> | ॥ |

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

इन्द्राय नमः

[illegible]

[illegible]

अथार्यसिद्धेः प्रत्ययस्यैव

आदयेद्वेयः अत्र यद्वैरुक्तं तत्रैव ॥

11.5.1957, 22.00 Uhr, 2. Brille

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



॥ ५५५ ॥

۱۱

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

82

༄༅། །མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས། །བསྐྱེད་པ་བཟང་
འཛེས་ལྟ་བུ་ལ། །སྒྲིབ་པ་མཉམ་མཛེས་ལྟ་བུ་ལྟོས། །སྒྲིབ་
པ་ལྟོས་ལྟ་བུ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས། །སྒྲིབ་པ་མཉམ་མཛེས་ལྟ་བུ་ལྟོས།
ལ། །འཛེས་ལྟ་བུ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས། །མཛེས་ལྟ་བུ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས།



མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས། །མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས།
མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས། །མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས།
མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས། །མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས།
མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས། །མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས།

༄༅། །མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས། །མཛེས་པ་ལ་སྐྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོས།

अथर्ववेदः

[illegible]

五

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ब्रह्मार्पणं ब्रह्म यजामहे सुब्रह्मण्यदेवैर्ब्रह्मा । तदस्यैव ब्रह्मणो भूतधेनुमुपासीत ॥

[illegible]

[illegible]

بسم الله الرحمن الرحيم

33

ॐ । त्रिविधं ब्रह्म प्रवक्ष्यामि श्रोतव्यं । एकं सात्त्विकं एकं रजसिकं एकं तमिकं । सात्त्विकं ब्रह्म सच्चिदानन्दं । रजसिकं ब्रह्म सच्चिदात्मकं । तमिकं ब्रह्म सच्चिदात्मकं । त्रिविधं ब्रह्म प्रवक्ष्यामि श्रोतव्यं । एकं सात्त्विकं एकं रजसिकं एकं तमिकं । सात्त्विकं ब्रह्म सच्चिदानन्दं । रजसिकं ब्रह्म सच्चिदात्मकं । तमिकं ब्रह्म सच्चिदात्मकं ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ । त्रिभुवनं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं
 त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं
 त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं
 त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं त्रिपुण्ड्रं ।

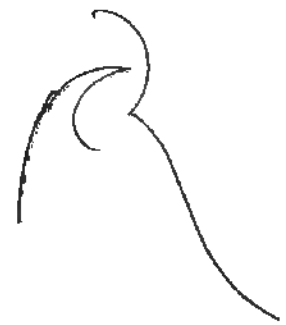
[illegible]

॥ अमुद्विकेसमुद्विकेसगुप्या ॥

अथमविष्णुसुपासनीति॥ अथमविष्णुसुपासनीति॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

| | | |
|---|-------------------------|---|
| ॥ | ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ | ॥ |
| ॥ | ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ | ॥ |
| ॥ | ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ | ॥ |



12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 84

[illegible]

༢༡། ། རྒྱལ་ཁྱེད་དཔལ་བཟང་པོའི་ན་པར་ཐར་པའུ་སེར་བསྟན་པའི་མཛེས་ཆུ་ཁེས་བྱ་བ་འདི་ནི། རྒྱུ་ལྡན་མ་དེ་ཉིད་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་མཁའ་ལྷ་པར་བཅས་
 ཉིད་ལྷན་ཐུགས་སྙམ་རྒྱུ་ལོན་པ་ཆེན་པོའི་རྒྱལ་ཐར་ཆུས་བསྟན་པའི་ལྷ་པར་ཆེན་པོས་པའི་ཁྱེད་ཀྱི་ལྷན་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་མཁའ་ལྷ་པར་བཅས་
 དཔལ་ལྷན་པོར་བཅས་པར་མཛད། རྒྱལ་ཐར་ཆུས་པོར་དཔལ་བྱས་ནས་ཁྱེད་དང་ཁྱེད་ལས་ཀྱང་ཁྱེད་དང་ཁྱེད་པོར་ལྷ་པོར་ཆུས་པོར་བཅས་པོར། དེ་རྒྱུ་ལྡན་མ་དེ་ཉིད་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་མཁའ་ལྷ་
 ཆུས་པོར། རྒྱལ་ཐར་པོར་ཁྱེད་ཀྱི་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་ཆུས་པོར་བཅས་པོར། རྒྱུ་ལྡན་མ་དེ་ཉིད་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་མཁའ་ལྷ་པོར་བཅས་
 པོར་ཆུས་པོར་བཅས་པོར་ཁྱེད་ཀྱི་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་ཆུས་པོར་བཅས་པོར། རྒྱུ་ལྡན་མ་དེ་ཉིད་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་མཁའ་ལྷ་པོར་བཅས་
 ལྷ་པོར་ཆུས་པོར་བཅས་པོར་ཁྱེད་ཀྱི་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་ཆུས་པོར་བཅས་པོར། རྒྱུ་ལྡན་མ་དེ་ཉིད་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་མཁའ་ལྷ་པོར་བཅས་
 ལྷ་པོར་ཆུས་པོར་བཅས་པོར་ཁྱེད་ཀྱི་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་ཆུས་པོར་བཅས་པོར། རྒྱུ་ལྡན་མ་དེ་ཉིད་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་ལེགས་ལྷན་མིང་པོར་མཁའ་ལྷ་པོར་བཅས་

१०५

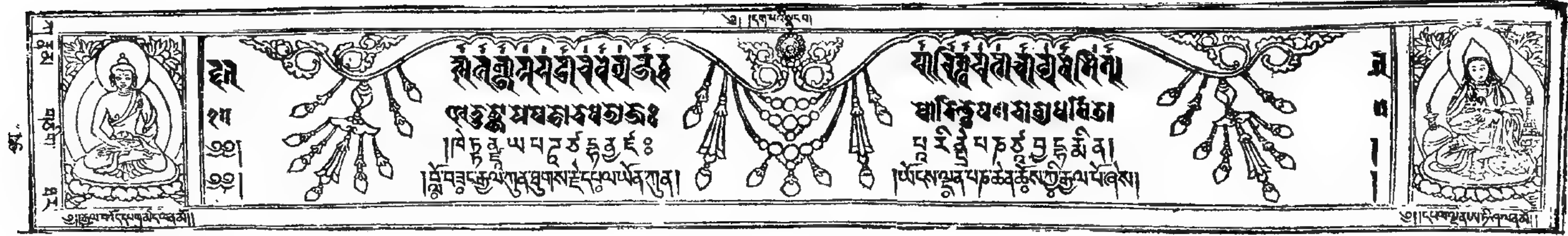
15

21

29

۱۹

[illegible]

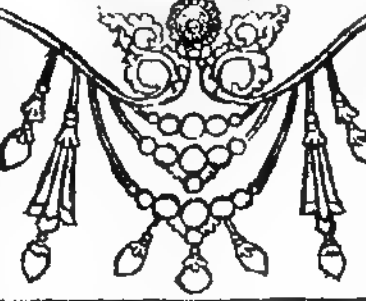


गुरुय
महोपा
सद

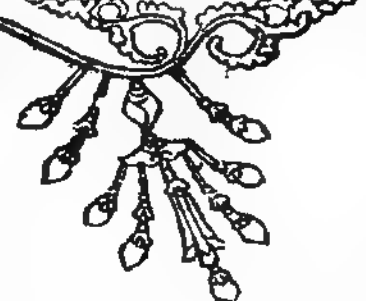


हो
शा
३३।
३३।

संतुष्टमयदीव्यगुणैः
एतच्छ्रुत्वा यथाकामं यथाकामं
। विदुः प्रपन्नं तत्तुष्टः
। प्रपन्नं तत्तुष्टं यथाकामं यथाकामं ।



याचिन्मया यथाकामं यथाकामं
याचिन्मया यथाकामं यथाकामं
। विदुः प्रपन्नं तत्तुष्टः
। प्रपन्नं तत्तुष्टं यथाकामं यथाकामं ।



म
म
३३।
३३।



३। विदुः प्रपन्नं तत्तुष्टः

३। विदुः प्रपन्नं तत्तुष्टः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

飛

4

١٣٥

[illegible]

3.

[illegible]

[illegible]

吟

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ॥ ॥ हे पुरुषोत्तम दमपदमिश्रस्य
 सुखदस्य सुखदलविदस्य सुखदलविदस्य ॥ पदपदपदपद
 सुखदलविदस्य सुखदलविदस्य सुखदलविदस्य सुखदलविदस्य
 सुखदलविदस्य सुखदलविदस्य सुखदलविदस्य सुखदलविदस्य ॥ ॥



ཨྲ། རྒྱལ་པ་ཡན། རྒྱལ་པ་ཡན། རྒྱལ་པ་ཡན།

[illegible]

५॥ ब्रह्माय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཡུལ་ལས་འགོངས་པ་དང་།

༡༡།

།དགོས་གཡང་ལྟམ་པ་དེས་ནས་དེ་རིགས་མཐོང་མཆོང་། ཟེར་རྒྱུ་ལ་རིག་ཤེས་ཀྱིས་དབགས་ན། སྤྱིས་ཐང་འདི་འདྲ་ཞིན་ཕྱོད་མ་ལས་ཐུབ་ཆོད་ལྟན་ཆོད་ལྟམ་མི་རྩོད་ཀྱི་མཆོད་
ཡུལ་ལས་འགོངས་པ་དང་། ཐང་སྤྱིས་པས་མ་ཐུགས་པ་ཅི་ལ་སྤྲིད་ཀྱང་། སྤྱིས་ཐང་མ་ཡོད་པ་འཆིང་ག་ཀྱང་ལྟན་པ་དག་འདྲ་པས་རྩོགས་དག་འི་བྱ་བ་གནད་དེས་པར་ཡོད་འདྲ་པས་དེས་ན་ཆུ་མ་འཇམ་དཔལ་
ལྟན་ཐུབ་ལ་པའམ་དཔལ་མ་པས་བྱ་གསལ་པར་བཟོའི་ག་ལུ་ལུ་མ་བཞིས་པ་གོ་རམ་ཆག་། རྒྱལ་ཐོག་མར་བཞུན་སྐབས་བརྟག་ཐབས་མང་དུ་ག་སྤྲུམ་པ་བཞིན་ལུང་རིགས་ཀྱི་ལུངས་དང་ལྟམ་བའི་པར་མ་ཉམ་
དཀྱུག་ལ་གོ་བཞུར་བའི་ཉམས་མཆོང་གི་རྩོགས་པ་ཁྱད་པར་ཅན་རྒྱུད་ལ་སྤྱེ་བ་ལྟ་ཞག་། ཆོས་མ་ཐུན་འཆང་པ་འི་རྣམ་དག་ར་ལས་སྤྱི་གཙོ་གསུམ་གྱི་ལས་ལམ་ལ་པར་གོ་ར་འདྲུག་ཅིང་། སྤྱིས་བཅས་ག་ཞན་
ལ་པར་དེར་འབྱིད་པ་འི་རྣམ་ཞིན་གྱི་འབྲས་ལུ་སྤྱི་དེས་སྤྲུམ་ཐོང་། མཆུག་པ་སྤྲུམ་སྤྱུ། རྒྱུན་དུ་མ་འི་རྣམ་འབྱོར་དང་འབྲེལ་བའི་བཤེས་གཞན་བཞུན་ཆུ་ལ། དལ་འབྱོར་མི་རྟག་། དམས་པ་གི་ལུག་པས་ལ་
དུན་ཅིང་། ཐུབས་འགོ་ལས་འབྲས། དེས་འབྱུང་། རྒྱ་འབྲས་མན་དག་བརྟན་དང་། བདག་ག་ཞན་མ་ཉམ་བཟོའི་ག་ཏོང་ལོག་། ལུས་དཀྱིལ་དང་། དེ་རིགས་ཀྱི་དབདག་བཞུད་པཅས་མེས་མཆོས་སྤྱོད་ལུལ་ཞེས་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五世宗憲

23

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

上四元之金銀

[illegible]

[illegible]

५. अथर्ववेदस्य ऋग्वेदस्य १०००



135

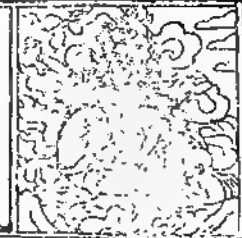
[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ཨ་ཁམ་དུས་ལ་ཤིང་པ་ཅན་ཀི་ཤི་ལྟ་།

[illegible]

५. सुवर्णवर्णसुवर्ण

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



[illegible]

